

डालु बनाम छोगा व अन्य
प्रकरण संख्या:- 79/2022(प्रा0पत्र)
निर्णय दिनांक:-06/10/2025

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी देवगढ़ जिला राजसमन्द (राज0)

(पीठासीन अधिकारी: श्री मोहकम सिंह सिनसिनवार, आर0ए0एस0)

प्रकरण संख्या:-79/2022 प्रार्थनापत्र

दायर दिनांक:- 10/03/2022

निर्णय दिनांक:- 06/10/2025

अनवान

1. डालू पिता सोला जाति सालवी निवासी भचेडिया ग्राम पंचायत कुन्दवा तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द

—प्राथी

बनाम

1. छोगा पिता गंगाराम जाति सालवी निवासी भचेडिया ग्राम पंचायत कुन्दवा तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द
2. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार, देवगढ़ जिला राजसमन्द राज0

अप्रार्थी

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान टिनेन्सी एक्ट

:: निर्णय ::

प्राथी ने जरिये अधिवक्ता प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान टिनेन्सी एक्ट का प्रस्तुत कर प्राथी की ओर से निवेदन किया गया कि ग्राम भचेडिया पटवार हल्का कुन्दवा तहसील देवगढ़ जिला राजसमन्द में मुझ प्राथी व समलाती की खातेदारी कब्जे कास्त की कृषि भूमि स्थित हैं जिसके खाता संख्या 76 आराजी संख्या 338, 1306, 275 कुल किता 03 कुल रकबा 0.4600 हैक्टेयर भूमि है। मेरी उक्त खातेदारी भूमि के पास खसरा संख्या 333 रास्ता हैं तथा खसरा संख्या 336 व 339 अप्रार्थी की कृषि भूमि हैं जो प्राथी की खाता संख्या 76 में होकर खसरा संख्या 338 व 339 उक्त खेत से रास्ता गुजर है व उक्त रास्तों से आते जाते हैं। अप्रार्थी उक्त खसरा नम्बर 333 से जानें के लिये सख्त मना कर दिया तो विवाद उत्पन्न हुआ तो तथा मौके पर अप्रार्थी ने जेसीबी लगा कर रास्ता को बन्द




डालु बनाम छोगा व अन्य
प्रकरण संख्या:- 79/2022(प्रा0पत्र)

निर्णय दिनांक:-06/10/2025

कर दिया व पत्थर डाल दिये जिससे मुझ प्रार्थी को मेरे खेत पर आने जानें में परेशानी होने लग गई । उक्त बनें रास्ते से हमारे पूर्वज गुजरते आ रहे हैं परन्तु उक्त रास्ता राजस्व में रिकोर्ड में के अभिलेख में अंकित नहीं हैं तथा कई बार उक्त रास्ते को राजस्व अभिलेख में अंकित करने का प्रयास किया था मगर कानून के अभाव में संभव नहीं हो पाया था। तहसीलदार महोदय जी भूमि धारक होने से राजस्थान सरकार की ओर से आवश्यक पक्षकार होने से पक्षकार बनाया गया है। उपरोक्त खसरा 338, 1306, 275 में जाने हेतु कई बार तहसीलदार एवं हल्का पटवारी को रिपोर्ट दी और रास्ता पुन चालू करवाया लेकिन अप्रार्थी संख्या 1 ने मौका देखकर पुन बन्द कर दिया एवं बार बार राजस्व केम्पों में विनती करने पर कहा की कानूनी प्रावधानों के अनुसार ही रास्ता मिल सकता है अर्थात माननीय न्यायालय से ही रास्ता मिल सकता है और अब राजस्व काश्तकारी अधिनियम 1955 में नवीन धारा 251ए अधिनियम में जोड़ने से अब रास्ते का विकल्प का अधिकार प्राप्त होने से मैं प्रार्थी भी रास्ता प्राप्त करने के अधिकारी हैं। इसलिए माननीय न्यायालय में प्रार्थी का प्रार्थना पत्र पेश हैं। अतः श्रीमान के समक्ष प्रार्थना पत्र पेश कर निवेदन हैं कि आराजी संख्या 338, 1306, 275 कुल किता 03 कुल रकबा 0.4600 हैक्टर हैं किस्म चाह के अर्थात खेत पर आने जानें का एक मात्र रास्ता आराजी संख्या 333 में से करीबन 20 फिट चौड़ा रास्ता को खुलवा कर दिलाया जावे। तथा माननीय न्यायालय के आर्देशानुसार उक्त रास्ते का शुल्क जमा करने के लिए तैयार हैं एवं राजस्व रेकार्ड में रास्ते के रूप में अभिलिखित किया जाकर नक्शा तरमीम किया एवं उसकी अलग से जमाबन्दी जारी करने का आदेश भी प्रदान किया जाए एवं अप्रार्थी संख्या 1 किसी भी प्रकार से रास्ते का उपयोग उपभोग करने से नहीं रोके इस हेतु भी आदेश प्रदान कराया जाए।




उपखण्ड अधिकारी, देवगढ़
जिला-राजसमन्द (राज.)

डालु बनाम छोगा व अन्य
प्रकरण संख्या:- 79/2022(प्रा0पत्र)
निर्णय दिनांक:-06/10/2025

इस पर पत्रावली दर्ज रजिस्टर की गई अप्रार्थी को जरिये समन्न तलब किया गया। अप्रार्थी संख्या 01 बावजूद सूचना तामिल के अनुपस्थित रहने से प्रकरण में इनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही के आदेश दिये गये। अप्रार्थी संख्या 02 के विरुद्ध कोई दाद नहीं चाही गयी है जिससे जवाब अपेक्षित नहीं रहा।

प्रकरण में तहसीलदार, देवगढ़ से मौका रिपोर्ट ली गई जिसके अनुसार प्रार्थी के आराजी संख्या 338 रकबा 0.0400 हैक्टेयर में जाने हेतु आराजी संख्या 336 रकबा 0.0900 हैक्टेयर में से प्रार्थी को नितान्त आवश्यकता है। प्रार्थी का पूर्व में खातेदारी भूमि में जाने के लिए भौतिक रूप से रास्ता प्रार्थी के आराजी में जाने के नजदीक रास्ता नहीं है। प्रार्थी द्वारा चाह उक्त आराजी में जाने के लिए अन्य कोई रास्ता आराजी में जाने के लिए नजदीक नहीं है। प्रस्तावित रास्ते में एक बबूल का पेड़ व आराजी संख्या 336 के पत्थर से कच्चा कोर्ट किया हुआ है। प्रार्थी को ग्राम भचरडिया आराजी संख्या 336 कुल रकबा 0.0900 में से रकबा 0.05800 लम्बाई कमशः 52 फिट व चौड़ाई 12 फिट रास्ता चाहा या है। राजस्व लेखाकार की रिपोर्ट अनुसार प्रस्तावित भूमि की डी0एल0सी0 दर 42200/-रूपये प्रति हैक्टेयर है जिसका 02 गुणा 4895 रूपये बनता जो राशि राजकोष में जमा योग्य है। प्रार्थी द्वारा चाहा गया रास्ता भचरडिया-मालियों का वास से जुड़ा हुआ है। प्रस्तावित रास्ते का आंशिक नक्शा ट्रेस के साथ संलग्न है।

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम-1955 की धारा 251-ए में प्रतिपादित है कि:- [251A. Laying of underground pipeline or opening a new way through another khatedar's holding or enlarging the existing way. - (1) Where - (a)a tenant intends to lay an underground pipeline through the holding of another khatedar for the purpose of irrigation of his holding; or (b)a tenant or a group of tenants intend to have a new way, or enlargement or



उपखण्ड अधिकारी, देवगढ़
जिला-राजसमन्द (राज.)

डालु बनाम छोगा व अन्य
प्रकरण संख्या:- 79 / 2022(प्रा0पत्र)
निर्णय दिनांक:-06 / 10 / 2025

widening of an existing way, through the holding of another khatedar to have access to his holding or, as the case may be, their holdings of and the matter is not settled by mutual agreement, the tenant or the tenants, as the case may be, may apply for such facility to the Sub-Divisional Officer concerned, and the Sub-Divisional Officer, if he is satisfied after a summary inquiry, that (i) the necessity is absolute necessity and it is not for mere convenient enjoyment of holding; and (ii) particularly in case of a new way through another khatedar's holding, that absence of alternative means of access proved may, be order, allow the applicant, to lay pipeline, at least three feet beneath the surface of the land, along 'the line demarcated or pointed out by the tenant who holds that land, or to have a new way. not wider than thirty feet, through the land on such track as pointed out by the tenant who holds that land, and if no such track is pointed out, through the shortest or nearest route, or to enlarge or widen the existing way, not exceeding up to thirty feet, on payment of such compensation as may be determined by the Sub-Divisional Officer, in the prescribed manner, to the tenant who holds the land through which the right to lay pipeline or have a new way or enlarge or widen an existing way is granted. (2) Where a right to have a new way or enlarge or widen an existing way is granted under sub-section (1), the tenancy in respect of the land comprising such way shall be deemed to have been extinguished and the land shall be recorded as rasta in the revenue records. (3) The persons permitted to avail any of the facilities referred to in sub-section (1) shall not, by virtue of the said facility, acquire any other right in the holding through which such facility is granted.]



उपखण्ड अधिकारी, देवगढ
जिला-राजसमन्द (राज.)

डालु बनाम छोगा व अन्य
प्रकरण संख्या:- 79/2022(प्रा0पत्र)

निर्णय दिनांक:-06/10/2025

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251-ए की उपधारा (1) के प्रावधानों को क्रियान्विति के लिए राजस्थान काश्तकारी (सरकारी) नियम, 1955 में संशोधन अधिसूचना दिनांक 02.03.2012 से अध्याय 12 जोड़कर नियम 68-70 के प्रावधान उपबन्धित किये गये हैं।

राजस्थान काश्तकारी (सरकारी) नियम 1955 के नियम 68में खातेदारी भूमि में से होकर नवीन रास्ते विद्यमान रास्ते को चौड़ा करने एवं सिचाई हेतु पाइप लाईन के लिए नियम 68 के अन्तर्गत उपखण्ड अधिकारी के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत करने का प्रावधान किया गया है एवं नियम 68 के प्रावधान अन्तर्गत पस्तुत आवेदन पत्र को उपखण्ड अधिकारी द्वारा जाँच कर उसे आवेदन प्रस्तुत करने की दिनांक से 90 दिन में निस्तारण करने का प्रावधान किया गया है।

उपरोक्त प्रावधानों का अवलोकन करने से यह स्पष्ट है कि धारा 251-ए के अन्तर्गत खातेदारों को अन्य खातेदारों की जोत में से होकर भूमिगत पाइप लाईन के माध्यम से जल लेने या अन्य खातेदारों की जोत में से होकर नया मार्ग बनाने या विद्यमान मार्ग को विस्तारित करने या चौड़ा करने के लिए उपबन्धित किया गया है। प्रश्नगत प्रकरण में आराजी संख्या 336 रकबा 0.0900 हैक्टेयर में से 20 फुट चौड़ा रास्ता प्रार्थी द्वारा चाहा गया है जो जमाबन्दी संवत् 2076 के अनुसार अप्रार्थी की खातेदारी में दर्ज है।

अतः तहसीलदार, देवगढ़ की रिपोर्ट अनुसार अन्य वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं होने के तथ्य को मद्देनजर रखते हुये आराजी खसरा नम्बर 336 रकबा 0.0900 हैक्टेयर वाके ग्राम भचरडिया में से 52 फिट लम्बा एवं 12 फिट चौड़ा रास्ता प्रार्थी की आराजी संख्या 338 सहखातेदारी के रूप में दर्ज है जिसमें आने-जाने के लिए दिया जाना उचित प्रतीत होता है। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 5(43) में अभिधारी को परिभाषित किया गया है। उक्त



डालु बनाम छोगा व अन्य
प्रकरण संख्या:— 79/2022(प्रा0पत्र)

निर्णय दिनांक:—06/10/2025

परिभाषा में एक सह अभिधारी(सहखातेदार) भी अभिधारी के रूप में अभिव्यक्त है।
अतः आराजी संख्या 338 में आने जाने के लिए (समस्त अभिधारी/सहखातेदार)
के लिए दिया जाना उचित है।

—:आदेश:—

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान काश्तकारी अधिनियम प्रार्थी स्वीकार किया जाता है तथा आराजी खसरा नम्बर 336 रकबा 0.0900 हैक्टेयर वाके ग्राम भचरडिया में से 52 फिट लम्बा एवं 12 फिट चौड़ा रास्ता प्रार्थी की आराजी खन. 338 वाके ग्राम भचरडिया में आने-जाने के लिए राजस्थान स्टाम्प नियम 2004 के नियम 2 के उप-नियम (1)के खण्ड (ख) के तहत गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा निर्धारित की गई कृषि भूमि दरों का दुगना प्रतिकर लिया जाकर प्रार्थी को रास्ता दिया जाता है। यह रास्ता सार्वजनिक रहेगा। तहसीलदार देवगढ़ उपरोक्त आराजी में रास्ते की भूमि (क्षेत्रफल) की गणना कर उपरोक्तानुसार प्रतिकर राशि प्रार्थी से अप्रार्थी को दिलवाई जाकर रास्ते की भूमि का राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद करें। प्रस्तावित नक्शा निर्णय का अभिन्न भाग (जुज) रहेगा। निर्णय की प्रति तहसीलदार देवगढ़ को भिजवाई जावे।

निर्णय आज दिनांक 06/10/2025 को मेरे द्वारा लिखा जाकर सरे इजलास सुनाया जाकर हस्ताक्षर एवं मोहर युक्त जारी किया गया।



06/10/25
(मोहकम सिंह सिनसिनवार R.A.S.)
उपखण्ड अधिकासी, देवगढ़
(जिला जिला राजसमन्त.)